Indian J. Soc & Pol. 03(01): 2016 :87-92 **ISSN 2348-0084 (P)**
ISSN 2455-2127 (O)

राजस्थान में टोंक जिले के नगर निकायों के पार्षदों की राजनीतिक सहभागिता (एक अनुभवात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन)

संगीता विजय[1] मधुरानी चौहान[2]

[1]एसोसियेट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, बनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान, भारत

[2]शोध छात्रा, राजनीति विज्ञान विभाग, बनस्थली विद्यापीठ, टोंक, राजस्थान, भारत

ABSTRACT

21वीं सदी लोकतंत्र, मानवतावाद, मानवाधिकारों, स्वतंत्रता, समानता एवं न्याय की सदी है। लोकतंत्र के सफल एवं सुचारू संचालन एवं निरंतरता के लिए राजनीतिक व्यवस्था के सदस्यों की राजनीतिक सक्रियता व सकारात्मक राजनीतिक सहभागिता नितांत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण होती है। भारत में भी संविधान द्वारा स्थापित संघीय लोकतन्त्र, लोककल्याणकारी एवं विकेन्द्रीकृत व्यवस्था को अपनाया गया है। इसमें सुधार हेतु 73वॉ एवं 74वॉ संविधान संशोधन किया गया। 74वें संविधान संशोधन द्वारा नगरीय स्थानीय शासन को न केवल सुसंगठित व्यवस्थित एवं कानूनी दर्जा प्रदान किया गया है वरन् उन्हें अधिक लोकतान्त्रिक, नियमित तथा अधिक भागीदारी युक्त बनाया गया है। इसके पश्चात् 2 दशक का समय व्यतीत हो चुका है। अतः अब स्थानीय संस्थाओं के पार्षदों की राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन किया जाना आवश्यक एवं महत्वपूर्ण है। चूँकि पार्षदों की राजनीतिक सहभागिता पर ही इन संस्थाओं की सफलता, संचालन एवं गतिशीलता निर्भर करती है। अतः प्रस्तुत प्रपत्र में राजस्थान के टोंक जिले के नगर निकायों में पार्षदों की राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन किया गया है।

KEYWORDS: स्थानीय स्वशासन, नगर निकाय, नगर पालिका, राजनीतिक सहभागिता

राजनीतिक सहभागिता व्यक्ति का राजनीतिक क्रियाओं या गतिविधियों में भाग लेना ही है। सहभागिता का अर्थ किसी धरने या गतिविधि में भाग लेना अर्थात् व्यवहार में किसी कार्य का हिस्सा बनना है।(ऑक्सफोर्ड लर्नरस इंग्लिश डिक्शनरी, ऑक्सफोर्ड, 356) राजनीतिक सहभागिता का अर्थ लोगों की उन राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी है जिनसे शासन की निर्णय प्रक्रिया प्रभावित होती है। नॉर्मन एच. पाई. और सिडनी वर्बा ने अपने लेख "पोलिटिकल पार्टिसिपेशन" में राजनीतिक सहभागिता को आम लोगों की वे विधि सम्मत गतिविधियाँ माना है जिनका उद्देश्य राजनीतिक पदाधिकारियों के चयन और उनके द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करना है।(वर्बा, एन. व सिडनी पाई 1978) इस प्रकार राजनीतिक सहभागिता में सभी राजनीतिक गतिविधियाँ सम्मिलित होती हैं जो निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित एवं निर्धारित करने में समाज के सदस्यों द्वारा स्वैच्छिक आधार पर की जाती है।

प्रस्तुत पत्र मुख्य रूप से आनुभाविक, तुलनात्मक, विश्लेषणात्मक अध्ययन है। आनुभाविक अध्ययन हेतु प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों ही प्रकार के स्त्रोतों से तथ्यों को एकत्रित किया गया है। प्राथमिक तथ्यों के संकलन के लिए साक्षात्कार–अनुसूची एवं अवलोकन विधि का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन राजस्थान के टोंक जिले के सभी नगर निकायों के 156 पार्षदों, जिनमें 102 पुरूष एवं 54 महिलाएँ हैं, पर आधारित है। निदर्श विवरण निम्नवत है।

सारणी 01

टोंक जिले के नगरनिकायों के निर्वाचित पार्षद

क्र. सं.	नगर निकाय	महिला	पुरूष	योग
1.	**टोंक नगरपरिषद**	21	25	**46**
2.	**देवली नगरपालिका**	6	15	**21**
3.	**मालपुरा नगरपालिका**	7	19	**26**
4.	**निवाई नगरपालिका**	9	17	**26**
5.	**टोडारायसिंह नगरपालिका**	7	14	**21**
6.	**उनियारा नगरपालिका**	4	12	**16**
योग		**54**	**102**	**156**

1: Corresponding Author

स्त्रोतः नगर निकाय सामान्य निर्वाचन 2009 परिणाम पर आधारित

प्रस्तुत अध्ययन में राजनीतिक सहभागिता की मुख्य क्रियाओं के रूप में **चुनाव में मतदान, दलीय सहभागिता, सार्वजनिक जीवन में सहभागिता, चुनावी प्रक्रिया में सहभागिता, प्रतिनिधि के कार्यों, की जानकारी, बैठकों, मुद्दों के वाद–विवाद, क्षेत्र सम्बन्धी कार्यों एवं राजनीतिक सहभागिता में आने वाली समस्याएँ एवं सुझाव तथा राजनीतिक महत्वाकांक्षा** आदि को आधार माना गया हैं । इनमें शामिल होकर व्यक्ति राजनीति में सक्रिय हो सकता है। इन क्रियाओं तथा आयामों के आधार पर नगर निकायों के प्रतिनिधियों की राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन किया गया है। जो इस प्रकार है–

मतदान में सहभागिता

मतदान राजनीतिक सहभागिता की सबसे आधारभूत, महत्वपूर्ण एवं व्यापक गतिविधि है। किसी भी राज्य के सदस्यों को अपने मत द्वारा प्रतिनिधियों को चुनने के अधिकार को मताधिकार कहते हैं। मतदान से ही व्यक्ति की राजनीतिक सहभागिता की मात्रा उसका स्तर एवं तीव्रता प्रकट होती है। मतदान लोकतान्त्रिक व्यवस्था की सफलता एवं सुदृढ़ता का आधार एवं मापक भी है। अतः उत्तरदाताओं से इस संदर्भ में प्रश्न किये गये–

सारणी 02

मतदान में सहभागिता

सहभागिता	वर्ग	देवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग	प्रतिशत
नियमित	म	4	5	6	4	3	19	41	75.92
	पु	13	17	15	13	11	21	90	88.23
	यो	**17**	**22**	**21**	**17**	**14**	**40**	**131**	**83.97**
कभी–कभी	म	2	2	3	3	1	2	13	24.07
	पु	2	2	2	1	1	4	12	11.76
	यो	**4**	**4**	**5**	**4**	**2**	**6**	**25**	**16.02**
कभी नहीं	म	–	–	–	–	–	–	–	–
	पु	–	–	–	–	–	–	–	–
	यो	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**

दलीय सहभागिता

लोकतन्त्र के पहियों के रूप में राजनीतिक दल अपरिहार्य है। इसी कारण दलों को लोकतन्त्र का प्राण अथवा शासन का चौथा अंग भी कहा जाता है। मैकाइवर के अनुसार ''राजनीतिक दल वह समुदाय है जो किसी विशेष सिद्धान्त पर नीति के समर्थन के लिए संगठित किया गया हो और जो संवैधानिक उपायों में उस सिद्धान्त या नीति को शासन का आधार बनाने का प्रयत्न करता है।''(मैकाइवर,1996,296) राजनीतिक दल के प्रतिनिधि लोकतन्त्र को गतिमान बनाते हैं। वही राजनीतिक सहभागिता के महत्वपूर्ण आयाम होते हैं। अतः उत्तरदाताओं की दलीय सहभागिता संबंधी प्रश्न किए गए–

सारणी 03

राजनीतिक दल से सम्बन्ध

राज0 दल	वर्ग	देवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग	प्रतिशत
कांग्रेस	म	1	3	6	6	2	7	25	46.29
	पु	3	2	11	10	5	11	42	41.17
	यो	**4**	**5**	**17**	**16**	**7**	**18**	**67**	**42.94**
भाजपा	म	–	3	3	1	1	10	18	33.33
	पु	7	12	4	4	7	10	44	43.13
	यो	**7**	**15**	**7**	**5**	**8**	**20**	**62**	**39.74**
बसपा	म	3	–	–	–	–	–	3	5.55
	पु	3	–	–	–	–	–	3	2.94
	यो	**6**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**6**	**3.84**
निर्दलीय	म	2	1	–	–	1	4	13	14.81
	पु	2	5	2	–	–	4	8	12.74
	यो	**4**	**6**	**2**	**–**	**1**	**8**	**21**	**13.46**

सामुदायिक कार्यों में सहभागिता

सामुदायिक कार्यों में सहभागिता राजनीतिक सहभागिता का पहला कदम होता है। किसी रैली में भाग लेना, किसी नेता का भाषण सुनना। इसके साथ ही सार्वजनिक या सामाजिक कार्य का हिस्सा बनना सार्वजनिक सहभागिता होती है। यहीं से सक्रिय राजनीतिक सहभागिता की शुरूआत होती है। राजनीतिक सहभागिता का अर्थ है– सार्वजनिक कार्यों में भाग लेना है। इस अर्थ में राजनीति सहभागिता सार्वजनिक कार्यों में सहभागिता होती है। अतः उत्तरदाताओं से इस संदर्भ में प्रश्न किया गया –

सारणी 04

सामुदायिक कार्यों में सहभागिता

अभिमत	वर्ग	देवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग	प्रतिशत
हाँ	म	2	2	2	2	–	3	11	20.37
	पु	15	19	17	14	12	25	102	100
	यो	**17**	**21**	**19**	**16**	**12**	**28**	**113**	**72.43**
कभी– कभी	म	4	5	7	5	4	18	43	79.02
	पु	–	–	–	–	–	–	–	–
	यो	**4**	**5**	**7**	**5**	**4**	**18**	**43**	**27.56**
नहीं	म	–	–	–	–	–	–	–	–
	पु	–	–	–	–	–	–	–	–
	यो	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**	**–**

सारणी 05

किसी नेता का भाषण सुनने में सहभागिता

उत्तर	वर्ग	देवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग	प्रतिशत
हाँ	म	6	7	4	4	2	16	39	72.22
	पु	15	14	12	13	11	25	90	88.23
	यो	**21**	**21**	**16**	**17**	**14**	**41**	**129**	**82.69**
नहीं	म	–	–	5	3	2	5	15	27.17
	पु	–	5	5	1	1	–	12	11.76
	यो	**–**	**5**	**10**	**4**	**3**	**5**	**27**	**17.30**
पता नहीं	म	–	–	–	–	–	–	–	–
	पु	–	–	–	–	–	–	–	–
	यो म	–	–	–	–	–	–	–	–

राजनीति में प्रवेश

समाज में अनेक समूह एवं व्यक्ति शक्ति की स्थिति प्राप्त करने का प्रयास करते हैं और विभिन्न पदों पर चुनाव अथवा मनोनयन द्वारा पहुँच जाते हैं, राजनीतिक प्रवेश प्रक्रिया किसी भी तन्त्र में दोहरी होती हैं। एक तरफ व्यक्ति स्वयं पदों को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। दूसरी तरफ उनको पदों तक पहुँचाने में पारिवारिक समर्थन, आरक्षण, स्वयं की इच्छा, सामुदायिक कार्यों में रूचि आदि तत्व प्रयास करते हैं। राजनीति में जानकारी एवं दृष्टिकोण के उपरान्त यदि व्यक्ति की राजनीति में रूचि एवं महत्वाकांक्षा होती है तथा राजनीति के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखता है तो सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने का प्रयास किया जाता है।

सारणी 06

राजनीति में प्रवेश के प्रेरक तत्व

प्रेरक तत्व	वर्ग	देवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग	प्रतिशत
स्वयं की महत्वाकांक्षा योग	म	5	2	3	1	2	8	21	38.88
	पु	2	12	10	8	5	15	52	50.98
	यो	**7**	**14**	**13**	**9**	**7**	**23**	**73**	**46.79**
पारिवारिक समर्थन एवं सहयोग	म	–	1	2	2	1	7	13	24.07
	पु	1	3	5	2	5	5	21	20.58
	यो	**1**	**4**	**7**	**4**	**6**	**12**	**34**	**21.79**
आरक्षण	म	1	4	4	3	1	6	19	35.18
	पु	9	4	2	2	2	5	24	23.52
	यो	**10**	**8**	**6**	**5**	**3**	**11**	**43**	**27.56**
सामुदायिक कार्यों में रूचि	म	–	–	–	1	–	–	1	1.85
	पु	3	–	–	2	–	–	5	4.90
	यो	**3**	**–**	**–**	**3**	**–**	**–**	**6**	**11.11**

बैठकों के संदर्भ में सहभागिता

बैठकें राजनीतिक संस्थाओं एवं संगठनों की गतिविधियों के संचालन का आधार होती है। बैठकों में हुई चर्चाओं द्वारा एक तरफ सदस्यों में राजनीति समझ एवं सक्रियता बढ़ती है, वहीं सहभागिता का स्तर भी उन्नत होता है। नगर निकायों में भी इनके उद्देश्यों की पूर्ति में बैठकों की अहम भूमिका होती है। साथ ही इनमें प्रतिनिधियों के सहभागिता राजनीतिक सहभागिता की महत्वपूर्ण आयाम या गतिविधि होती है। अतः उत्तरदाताओं से बैठकों में सहभागिता के संदर्भ में प्रश्न किए गए–

सारणी 07

बैठकों में सहभागिता

बैठक में सहभागिता	वर्ग	देवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग	प्रतिशत
बिल्कुल नहीं	म	–	2	2	1	1	1	7	12.96
	पु	2	–	1	1	–	–	4	3.92
	यो	**2**	**2**	**3**	**2**	**1**	**1**	**11**	**7.05**
कभी–कभी	म	5	2	3	3	2	10	25	46.29
	पु	3	6	3	2	2	5	21	20.58
	यो	**8**	**8**	**6**	**5**	**4**	**15**	**46**	**29.48**
नियमित	म	1	3	4	3	1	10	22	40.74
	पु	10	13	13	11	10	20	17	75.49
	यो	**11**	**16**	**17**	**14**	**11**	**30**	**99**	**63.46**

मुद्दों के वाद–विवाद में सहभागिता

अप्रत्यक्ष लोकतन्त्र में राजनीति व्यवस्था एवं प्रक्रिया के निर्णय निर्माण स्तर पर सहभागिता ही प्रतिनिधियों की राजनीतिक सक्रियता एवं सहभागिता होती है, जिसे वास्तविक राजनीतिक सहभागिता कहा जा सकता है। अर्थात राजनीतिक संस्थाओं एवं सगठनों की न केवल संख्यात्मक सहभागिता हो वरन उनके कार्य करने एवं प्रक्रिया के स्तर पर वास्तव में गतिशीलता राजनीतिक सहभागिता होती है, जो कि वास्तविक लोकतन्त्र का प्रदर्शित करती है। नगर निकायों में प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्ताव लेना, विभिन्न मुद्दों पर योगदान एवं मुद्दों के साथ निर्णय निर्माण सहभागिता मुख्य है। इस संदर्भ में प्रस्तावों के बारे में जानकारी, विभिन्न मुद्दों पर निर्णय निर्माण में सहभागिता महत्वपूर्ण होती है। अतः उत्तरदाताओं से इस संदर्भ में प्रश्न किए गए

सारणी 08

नगर निकायों में मुद्दों पर निर्णयन में सहभागिता

निर्णयन के	वर्ग	देवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग	प्रतिशत
अपने वार्ड सम्बन्धी	म	1	3	3	3	2	6	18	33.33
	पु	3	5	5	2	3	5	23	22.54
	यो	**4**	**8**	**8**	**5**	**5**	**11**	**41**	**26.28**
सभी मुद्दों पर	म	2	–	2	–	–	–	4	7.40
	पु	10	10	7	7	6	10	50	49.01
	यो	**12**	**10**	**9**	**7**	**6**	**10**	**54**	**34.61**
स्वच्छता संदर्भ	म	3	2	2	2	2	6	17	31.48
	पु	–	1	–	1	1	5	8	7.84
	यो	**3**	**3**	**2**	**3**	**3**	**11**	**25**	**16.02**
विकास संबंधी	म	–	–	2	–	–	3	5	9.25
	पु	2	3	5	4	2	5	21	20.58
	यो	**2**	**3**	**7**	**4**	**2**	**8**	**26**	**16.66**
कुछ नहीं करते	म	–	2	–	2	–	6	10	9.80
	पु	–	–	–	–	–	–	–	–
	यो	**–**	**2**	**–**	**3**	**–**	**6**	**10**	**6.41**

क्षेत्र संबंधी कार्यों में सहभागिता

अप्रत्यक्ष लोकतंत्र में जनता अपनी समस्याओं के समाधान तथा विकास कार्यों हेतु प्रतिनिधि को चुनती है और प्रतिनिधि का यह दायित्व है कि वह अपने क्षेत्र के व्यवस्थित एवं सुनियोजित विकास हेतु प्रयास करे। जिस क्षेत्र का प्रतिनिधि होता है। उसकी अपने क्षेत्र के विकास की जिम्मेदारी एवं जवाबदेही होती है। इस संदर्भ में प्रतिनिधियों की क्रियाशीलता ही उनकी राजनीतिक सहभागिता होती है। प्रतिनिधियों द्वारा क्षेत्र के विकास हेतु प्रयास करने होते हैं विकास कार्य करवाने होते हैं। उनको कार्य निष्पादन हेतु अनेक समस्याओं का भी सामना करना होता है तथा अनेक अधिकारियों एवं व्यक्तियों के सहयोग की भी आवश्यकता होती है। तभी वह अपने कार्य निष्पादन कर दायित्व निर्वाह कर सकता है। अतः उत्तरदाताओं से इस संदर्भ में प्रश्न किए गए–

सारणी 09

अपने क्षेत्र संबंधी विकास कार्य

विकास कार्य	वर्ग	देवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग
हैण्डपम्प लगवाना	म	2	2	3	3	12	10	32
	पु	7	9	5	5	4	13	43
	यो	**9**	**11**	**8**	**8**	**16**	**23**	**75**
सड़क निर्माण एवं मरम्मत	म	2	3	5	5	2	7	24
	पु	5	5	10	6	6	10	42
	यो	**7**	**8**	**15**	**11**	**8**	**17**	**46**
स्वच्छता कार्य	म	2	5	3	2	5	8	25
	पु	3	4	5	2	5	20	39
	यो	**5**	**9**	**8**	**4**	**10**	**28**	**64**
रोशनी	म	2	2	1	1	–	11	17
	पु	4	6	3	4	5	9	31
	यो	**6**	**8**	**4**	**5**	**5**	**20**	**48**
नाली निर्माण	म	6	7	8	9	12	20	62
	पु	10	9	10	12	11	13	65
	यो	**16**	**16**	**20**	**21**	**23**	**23**	**127**

सारणी 10

कार्य निष्पादन में सहयोग

सहयोग	वर्ग	देवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग
सहयोगी सदस्य	म	4	3	1	1	1	8	18
	पु	10	9	2	6	3	9	39
	यो	**14**	**12**	**3**	**7**	**4**	**17**	**57**
परिवार के सदस्य	म	2	1	2	2	2	–	9
	पु	5	5	5	–	3	–	18
	यो	**7**	**6**	**7**	**2**	**5**	**–**	**27**
जनता	म	4	4	6	3	1	12	30
	पु	13	8	15	8	3	23	70
	यो	**17**	**12**	**21**	**11**	**4**	**35**	**100**

राजनीतिक सहभागिता में आने वाली समस्याएँ एवं सुझाव

निर्वाचित जन प्रतिनिधियों की राजनीतिक सहभागिता में बाधा पहुँचाने वाले तत्व हैं – जैसे परम्परावंश महिलाएं पुरूषों के समक्ष खुलकर अपनी बात नहीं रख पाती हैं। पारिवारिक जिम्मेंदारियों के कारण महिलाएँ पुरूषों की तुलना में जनसम्पर्क कम कर पाती हैं। अधिकारी व पालिकाध्यक्ष रूचियों का असहयोग रहता है। पुरूष सहयोगी व अधिकारी भी स्वयं पुरूषों एवं महिलाओं का सहयोग नहीं देते हैं। महिला प्रतिनिधियों को पर्दा प्रथा एवं महिला होने के नाते भी समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं जन प्रतिनिधियों के सामने आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए सरकारी प्रशिक्षण सरकारी अधिकारियों पर नियंत्रण एवं पारिवारिक सहयोग भी आवश्यक है।

सारणी 11

राजनीति सहभागिता में बाधा पहुँचाने वाले तत्व

बाधक तत्व	वर्ग	छेवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग	प्रतिशत
क जानकारी	म	5	5	8	5	2	16	41	75.92
	पु	10	12	12	12	10	15	71	69.60
	यो	**15**	**17**	**20**	**17**	**12**	**31**	**112**	**71.79**
धन की कमी	म	4	6	8	6	3	18	45	83.33
	पु	12	15	16	10	11	19	63	81.37
	यो	**16**	**21**	**24**	**16**	**14**	**37**	**128**	**82.05**
पारिवारिक जिम्मेदारी	म	6	7	9	7	4	21	54	100.00
	पु	2	14	2	1	1	3	13	12.74
	यो	**8**	**11**	**11**	**8**	**5**	**24**	**67**	**42.94**

पुरूष वर्चस्व	म	6	7	9	7	4	21	54	100
	पु	–	–	–	–	–	–	–	–
	यो	**6**	**7**	**9**	**7**	**4**	**21**	**54**	**34.61**
शिक्षा की कमी	म	5	6	8	6	3	18	46	85.18
	पु	13	12	15	12	10	14	76	74.50
	यो	**18**	**18**	**23**	**18**	**13**	**32**	**122**	**78.20**
राजनीति में भ्रष्टाचार	म	6	7	8	7	4	20	52	96.29
	पु	14	18	15	12	10	19	88	86.27
	यो	**20**	**25**	**23**	**19**	**14**	**39**	**140**	**89.74**
राजनीति में अपराध एवं हिंसा	म	5	6	7	5	4	18	45	83.33
	पु	13	16	15	12	10	18	84	82.35
	या	**18**	**22**	**22**	**17**	**14**	**36**	**129**	**82.69**

सारणी 12

राजनीतिक सहभागिता समस्या संबंधी समाधान हेतु सुझाव

सुझाव	वर्ग	देवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग	प्रतिशत
प्रचार प्रसार में वृद्धि	म	5	5	7	5	3	15	40	74.07
	पु	11	11	15	12	10	18	77	74.49
	यो	**16**	**16**	**22**	**17**	**13**	**33**	**117**	**75.00**
राजनीति में पुरुष व्यवस्था मजबूत	म	5	6	8	6	4	20	49	90.74
	पु	12	15	15	12	11	19	84	83.35
	यो	**17**	**21**	**23**	**18**	**15**	**39**	**133**	**85.25**
चुनाव खर्च को समिति किया जाए	म	5	6	7	5	3	16	42	77.77
	पु	13	16	14	12	10	18	83	81.37
	यो	**18**	**22**	**21**	**17**	**13**	**34**	**125**	**80.12**
सरकारी अधिकारियों पर नियंत्रण	म	4	5	6	5	4	18	42	77.77
	पु	12	15	14	12	10	19	82	80.39
	यो	**16**	**20**	**20**	**17**	**14**	**37**	**124**	**79.48**
सरकारी एवं गैर सरकारी प्रशिक्षण	म	4	6	5	5	3	15	38	70.37
	पु	12	14	15	13	10	16	80	78.43
	यो	**16**	**20**	**20**	**18**	**13**	**31**	**118**	**75.64**
भ्रष्टाचार पर नियन्त्रण	म	4	5	6	6	3	16	40	74.07
	पु	10	12	14	12	10	19	77	75.49
	यो	**14**	**17**	**20**	**18**	**13**	**35**	**117**	**75.00**
पारिवारिक सहयोग	म	6	7	9	7	4	21	54	100.
	पु	2	1	2	2	2	4	13	12.75
	यो	**8**	**8**	**11**	**9**	**6**	**25**	**67**	**42.94**

राजनीतिक महत्वाकांक्षा

प्रत्येक व्यक्ति की अपनी कोई न कोई महत्वाकांक्षा होती है। राजनीतिक क्षेत्र में महत्वाकांक्षा का विशेष महत्व है। इस क्षेत्र में सक्रिय व्यक्ति चाहे किसी भी स्तर का हो पार्षद हो, नगरपालिका अध्यक्ष या विधायक उसमें उच्च स्तर पर पहुंचने की महत्वाकांक्षा रखता है। इसी महत्वाकांक्षा के आधार पर अपनी कार्य प्रणाली एंव सहभागिता निर्धारित करता है। राजनीतिक पदसोपान व्यवस्था में नगरपालिका के सदस्य भी यह महत्वाकांक्षा रखते हैं। अतः इस संदर्भ में उत्तरदाताओं से प्रश्न किया गया–

सारणी 13

भावी राजनीतिक महत्वाकांक्षा

महत्वाकांक्षा	वर्ग	देवली	मालपुरा	निवाई	टोडा	उनियारा	टोंक	योग	प्रतिशत
नगरपालिका सदस्य	म	3	3	3	3	3	8	23	42.59
	पु	3	3	2	5	5	5	23	22.54
	यो	**6**	**6**	**5**	**8**	**8**	**13**	**46**	**29.48**
नगरपालिका अध्यक्ष	म	2	3	3	–	–	6	14	25.92
	पु	7	7	5	–	–	10	29	28.43
	यो	**9**	**10**	**8**	**–**	**–**	**16**	**43**	**27.56**
विधायक	म	1	1	3	–	1	7	13	24.07
	पु	5	5	10	–	5	10	35	34.31
	यो	**6**	**6**	**13**	**–**	**6**	**17**	**48**	**30.76**
मुख्यमंत्री	म	–	–	–	2	–	–	2	3.76
	पु	–	–	–	4	–	–	4	3.92
	यो	**–**	**–**	**–**	**6**	**–**	**–**	**6**	**3.84**
सांसद	म	–	–	–	2	2	–	4	7.40
	पु	–	4	–	5	–	–	9	8.82
	यो	**–**	**4**	**–**	**7**	**2**	**–**	**13**	**8.33**

समग्र विश्लेषण

समग्र उत्तरदाताओं का नगर निकायों में महिला–पुरूष पार्षदों की राजनीतिक सहभागिता के विश्लेषणात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन में पाया गया है कि मतदान में उत्तरदाताओं की सहभागिता का स्तर उच्च (83.97प्रतिशत) है। महिला एवं पुरूषों की सहभागिता में बहुत अधिक अन्तर नहीं रहा है। किन्तु स्वयं की इच्छा से मतदान महिलाओं की तुलना में पुरूष अधिक करते हैं। इसके अतिरिक्त मतदान को राजनीतिक दल, जाति, नेता का व्यक्तित्व एवं परिवार भी प्रभावित करते हैं।

नगर निकायों में भी राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख दल कांग्रेस एवं भाजपा में ही सहभागिता अधिक रही है। सार्वजनिक कार्यों में सहभागिता पुरूषों (100प्रतिशत) की तुलना में महिलाओं

की (79.82प्रतिशत) कम रही है। नेताओं का भाषण सुनने भी पुरूषों (88.23प्रतिशत) की तुलना में महिलाओं (72.22प्रतिशत) की भागीदारी कम रही है। राजनीति में प्रवेश के लिए निकाय पार्षदों को स्वयं की महत्वकांक्षा, आरक्षण एवं परिवार का सहयोग आदि प्रेरक तत्व रहे हैं। इनमें भी महिलाओं के लिए विशेषतः आरक्षण या पारिवारिक सहयोग पुरूषों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण रहे हैं।

निकाय की बैठकों में सहभागिता के अध्ययन में पाया गया है कि पार्षदों की बैठकों में अधिकांशतः सक्रियता (72.43 प्रतिशत) रही है। महिलाओं की तुलना में पुरूषों की बैठकों में सहभागिता अधिक रहती है। बैठकों में नियमितता के लिए जहॉ पुरूष सहयोगियों एवं अधिकारियों का सहयोग, आर्थिक कारण को प्रमुखता देते हैं; वहीं महिलाएँ पारिवारिक सहयोग एवं समीपता को कारण बताती है। अनियमितता के कारणों में पुरूष आर्थिक कारण, गुटबाजी पुरूष कारण बताते हैं, वही महिलाएँ पारिवारिक उत्तरदायित्व, राजनीतिक वर्चस्व एवं दूरी को मुख्य कारण मानती है। निकाय की बैठकों में मुद्दों पर वाद–विवाद में सहभागिता के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि – विकास संबंधी प्रस्ताव की जानकारी अधिकांश (80.76प्रतिशत) पार्षदों को होती है। महिलाओं की (74.07प्रतिशत) की तुलना में पुरूषों (84. 31प्रतिशत) को अधिक सही जानकारी होती है। जहॉ पुरूषों की लगभग सभी मुद्दों पर सहभागिता रहती है; वहीं महिलाओं की केवल वार्ड, स्वच्छता संबंधी मुद्दों ही रहती है। निर्णयन में सहभागिता की अवेहलना सबंधी मुद्दों – वित्त, नगर निकाय, अन्तिम निर्णय आदि पर महिला व पुरूष, दोनों का लगभग समान दृष्टिकोण रहा है। पुरूषों की महिलाओं की तुलना में हैण्डपम्प लगाने, सफाई, नाली निर्माण एवं मरम्मत, सड़क निर्माण आदि के कार्यों में भी अधिक सहभागिता रही है। विकास कार्यों के संपदान में पार्षदों की अनेक समस्याओं– बजट की समझ न होना, कागज भरना न आना, जानकारी का अभाव, अधिकारियों का असहयोग आदि का सामना करना होता है इनमें भी पुरूषों की तुलना में महिलाओं को अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ा। जनता, सहयोगी सदस्यों तथा परिवार का सहयोग भी महिलाओं की तुलना में पुरूषों को अधिक मिला।

नगर निकाय में सदस्यों की राजनीतिक सहभागिता में आने वाली समस्याएँ पुरूषों की तुलना में महिलाओं को अधिक है। जहॉ पुरूषों को अधिकारी वर्ग का सहयोग न होना, शिक्षा की कमी, राजनीतिक जानकारी का अभाव, धन की कमी, भ्रष्टाचार, अपराध एवं हिंसा समस्याएँ आती हैं; वहीं महिलाओं को राजनीतिक जानकारी का अभाव, पारिवारिक जिम्मेदारी, राजनीति में भ्रष्टाचार, अपराध एवं हिंसा, धन की कमी, पुरूष वर्चस्व शिक्षा की कमी, अधिकारी वर्ग का अहसयोग आदि समस्याओं का सामाना करना पड़ता है। जिनके लिए अधिकरियों पर नियंत्रण, पारिवारिक सहयोग सरकारी एवं प्रचार–प्रसार में वृद्धि, चुनाव खर्च को सीमित करने, राजनीतिक में सुरक्षा बढ़ाने, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, सरकारी एवं गैर सरकारी प्रशिक्षण, आदि सुझाव प्रस्तुत किये है।

नगर निकाय के महिला – पुरूष पार्षदों की भावी राजनीतिक महत्वकांक्षा (64.74प्रतिशत) रखते हैं। इनमें महिलाओं (46.29प्रतिशत) की संख्या पुरूषों (75.50प्रतिशत) से कम है। इनमें अधिकाश महिलाएँ नगरपालिका सदस्य बनने की महत्वकांक्षा रखती है जबकि पुरूष नगर पालिका अध्यक्ष, विधायक, मुख्यमंत्री एवं सांसद बनने की भी महत्वकांक्षा रखते हैं जो उनकी राजनीति में रूचि, जानकारी, जागरूकता एवं सहभागिता की अधिकता स्पष्ट होती है।

अंततः कहा जा सकता है कि नगर निकाय के महिला–पुरूष पार्षदों की राजनीतिक सहभागिता, मतदान एवं स्थानीय स्तर पर उच्च होती है। यद्यपि 74वें संविधान संशोधन के उपरान्त महिलाओं की सहभागिता में वृद्धि हो रही है। किन्तु अभी भी पुरूषों की तुलना में निकाय के कार्यों एवं प्रक्रियाओं में सहभागिता; क्षेत्र की समस्याओं एवं विकास कार्यों, राजनीतिक महत्वकांक्षाओं में पिछड़ापन ही पाया गया है। इससे स्पष्ट है कि भारतीय संविधान एवं लोकतंत्र द्वारा प्रदत्त एवं क्रियान्वित समान अवसर एवं लैंगिक समानता के स्तर को पाने में अभी वक्त लगेगा। यद्यपि स्थानीय स्तर पर पार्षदों की राजनीतिक सहभागिता वृद्धि की निरंतरता की प्रवृत्ति भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को गहराने की दिशा में शुभ सूचक है।

सन्दर्भ

आक्सफोर्ड इंग्लिश लर्नर्स डिक्शनरी, आक्सफोर्ड

वर्वा,सिडनी व ल्यूशियन पाई (1978) : *पालिटिक्स एण्ड पालिटिकल इक्वलिटी*, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस यू0के0

मैकाइवर, आर. एम.,(1996): *द मार्डन स्टेट*, आक्सफोर्ड यूनिर्वसिटी प्रेस, न्यूयार्क,